The Asian Age 2 July, 2018

Industry body Assocham urged the RBI and finance ministry to work together to ensure that the rupee does not depreciate further

Punjab Kesari

2 July, 2018

रुपये की गिरावट रोकने के लिए हस्तक्षेप करे सरकार

नई दिल्ली, (भाषा): उद्योग संगठन एसोचैम ने कहा कि रुपये में और गिरावट नहीं हो यह सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को मिलकर काम करना चाहिए। एसोचैम ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रुपये के मूल्य में और गिरावट से देश को 'आयात से उपजी मुद्रास्फीति' का सामना करना पड़ सकता है। एसोचैम के महासचिव डी.एस.रावत ने कहा, 'हमें मालूम है कि रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को वृहद आर्थिक स्थिरता बनाये रखने के लिए उथल-पुथल के हर मौके पर साथ काम करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक अभी विदेशी मुद्रा विनिमय दरों को बाजार के ऊपर छोड़ा हुआ है। उसे ईरान परमाणु समझौते पर अमेरिकी रुख, ओपेक देशों द्वारा कच्चा तेल के उत्पादन में

पर्याप्त से कम वृद्धि और उभरते वित्तीय बाजारों पर दबाव जैसे भू - राजनीतिक कारकों द्वारा होने वाली अनिश्चितता और उथल - पुथल के समय जरूर हस्तक्षेप करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को सहज स्थिति देने के लिए सेबी, रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को द्वितीयक ऋण व शेयर बाजारों में निवेश के नियमों का सरलीकरण करना चाहिए।

Jansatta 2 July, 2018

रुपए में गिरावट रोकने के लिए दखल दे सरकार

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली 1 जुलाई।

उद्योग संगठन एसोचेम ने रविवार को कहा कि रुपए में और गिरावट नहीं हो यह सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को मिलकर काम करना चाहिए। एसोचेम ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रुपए के मूल्य में और गिरावट से देश को 'आयात से उपजी मुद्रास्फीति' का सामना करना पड़ सकता है।

एसोचेम के महासचिव डीएस रावत ने कहा- हमें मालूम है कि रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को वृहद आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए उथल-पुथल के हर मौके पर साथ काम करना चाहिए। रिजर्व बैंक ने अभी विदेशी मुद्रा विनिमय दरों को बाजार के ऊपर छोड़ा हुआ है। उसे ईरान परमाणु समझौते पर अमेरिकी रुख, ओपेक देशों द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में पर्याप्त से कम वृद्धि और उभरते वित्तीय बाजारों पर दबाव जैसे भू-राजनीतिक कारकों द्वारा होने वाली अनिश्चितता और उथल-पुथल के समय जरूर हस्तक्षेप करना चाहिए।

Rashtriya Sahara

2 July, 2018

'रुपए की गिरावट रोकने को हस्तक्षेप करे सरकार'

■ नई दिल्ली (भाषा)।

उद्योग संगठन एसोचैम ने कहा कि रुपए में और गिरावट नहीं हो यह सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को मिलकर काम करना चाहिए। एसोचैम ने रविवार को यहां कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रुपए के मूल्य में और गिरावट से देश को 'आयात से उपजी मुद्रास्फीति' का सामना करना पड़ सकता है।

एसोचैम के महासचिव डी . एस . रावत ने कहा, 'हमें मालूम है कि रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को वृहद आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए उथल - पुथल के हर मौके पर साथ काम करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक अभी विदेशी मुद्रा विनिमय दरों को बाजार के ऊपर छोड़ा हुआ है। उसे ईरान परमाणु समझौते पर अमेरिकी रुख, ओपेक देशों द्वारा कच्चा तेल के उत्पादन में पर्याप्त से कम वृद्धि और उभरते वित्तीय बाजारों पर दबाव जैसे भू - राजनीतिक कारकों द्वारा होने वाली अनिश्चितता और उथल - पुथल के समय जरूर हस्तक्षेप करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को सहज स्थिति देने के लिए सेबी , रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को द्वितीयक ऋण व शेयर बाजारों में निवेश के नियमों का सरलीकरण करना चाहिए।

Navodaya Times

2 July, 2018

रुपए की गिरावट रोकने के लिए हस्तक्षेप करे वित्त मंत्रालय : एसोचैम

नई दिल्ली, 1 जुलाई (एजेंसी): उद्योग संगठन एसोचैम ने आज कहा कि रुपए में और गिरावट रोकने के लिए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को मिलकर हस्तक्षेप करना चाहिए।

एसोचैम ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रुपए के मूल्य में और गिरावट से देश को 'आयात से उपजी मुद्रास्फीति' का सामना करना पड़ सकता है।

एसोचैम के महासचिव डी.एस. रावत ने कहा कि हमें मालूम है कि रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को वृहद आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए उथल-पुथल के हर मौके पर साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक अभी विदेशी मुद्रा विनिमय दरों को बाजार के ऊपर छोड़ा हुआ है। उसे ईरान परमाणु समझौते पर अमरीकी रुख, ओपेक देशों द्वारा कच्चा तेल के उत्पादन में पर्याप्त से कम वृद्धि और उभरते वित्तीय बाजारों पर दबाव जैसे भू-राजनीतिक कारकों द्वारा होने वाली अनिश्चितता और उथल-पुथल के समय जरूर हस्तक्षेप करना चाहिए।

Pioneer (Hindi)

2 July, 2018

रुपए की गिरावट रोकने को हस्तक्षेप करे सरकार: एसोचैम

नई दिल्ली। उद्योग संगठन एसोचैम ने आज कहा कि रुपए में और गिरावट नहीं हो यह सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को मिलकर काम करना चाहिए। एसोचैम ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रुपए के मूल्य में और गिरावट से देश को आयात से उपजी मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ सकता है। एसोचैम के महासचिव डीएस रावत ने कहा , हमें मालूम है कि रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को वृहद आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए उथल - पुथल के हर मौके पर साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक अभी विदेशी मुद्रा बिनिमय दरों को बाजार के ऊपर छोड़ा हुआ है। उसे ईरान परमाणु समझौते पर अमेरिकी रुख , ओपेक देशों द्वारा कच्चा तेल के उत्पादन में पर्याप्त से कम वृद्धि और उभरते वित्तीय बाजारों पर दबाव जैसे भू - राजनीतिक कारकों द्वारा होने वाली अनिश्चितता और उथल - पुथल के समय जरूर हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को सहज स्थिति देने के लिए सेबी , रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को द्वितीयक ऋण व शेयर बाजारों में निवेश के नियमों का सरलीकरण करना चाहिए।

ASSOCHAM IN THE NEWS

Vir Arjun

2 July, 2018

रुपए की गिरावट रोकने के लिए हस्तक्षेप करे सरकार: एसोचैम

नई दिल्ली , (भाषा)। उद्योग संगठन एसोचैम ने आज कहा कि रुपये में और गिरावट नहीं हो यह सुनिश्चित करने के लिए रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को मिलकर काम करना चाहिए।

एसोचैम ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और रुपये के मूल्य में और गिरावट से देश को आयात से उपजी मुद्रास्फीति का सामना करना पड़ सकता है। एसोचैम के महासचिव डी . एस . रावत ने कहा , हमें मालूम है कि रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को वृहद आर्थिक स्थिरता बनाये रखने के लिए उथल - पुथल के हर मौके पर साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक अभी विदेशी मुद्रा विनिमय दरों को बाजार के ऊपर छोड़ा हुआ है। उसे ईरान परमाणु समझौते पर अमेरिकी रुख , ओपेक देशों द्वारा कच्चा तेल के उत्पादन में पर्याप्त से कम वृद्धि और उभरते वित्तीय बाजारों पर दबाव जैसे भू - राजनीतिक कारकों द्वारा होने वाली अनिश्चितता और उथल - पुथल के समय जरूर हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को सहज स्थिति देने के लिए सेबी , रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय को द्वितीयक ठ्ठण व शेयर बाजारों में निवेश के नियमों का सरलीकरण करना चाहिए।